संक्षिप्त समाचार

परसुडीह व हलुदबनी में पाइपलाइन से नहीं हुई जलापूर्ति

जमशेदपुर, एजेंसी। छोटा गोविंदपुर जलापूर्ति अंतर्गत आने वाले 21 पंचायत में से परसुडीह व हलुदबनी के क्षेत्रों में बुधवार को पाइपलाइन से पानी की सप्लाई ठप रही। जबकि मंगलवार को सभी 21 पंचायतों में पानी सप्लाई नहीं हो पायी थी। जलापूर्ति योजना को संचालित कर रही जेमिनी इंटरप्राइजेज के ठेकेदार अरुण कुमार ने बताया कि सोमवार को लुआबासा नदी किनारे बने इंटकवेल में वाल्व फट गया था। जिसकी वजह से जलापूर्ति प्रभावित रही। वाल्व को दुरुस्त कर लिया गया है। पाइपलाइन की एयर निकासी के लिए थीम पार्क, राहरगोड़ा और गदड़ा में वाशिंग लाइन के पास एयर वाल्व को खोल दिया गया है, ताकि सभी क्षेत्र में पानी जा सके। बुधवार को हलुदबनी व परसुडीह क्षेत्र में थोड़ी बहुत समस्या रही है। संभवतः गुरुवार से पानी की सप्लाई सभी क्षेत्रों में सामान्य हो जायेगी।

रक्तदान को अपना मिशन बनाने वाले राजेश मार्डी पर बनेगी डॉक्यूमेंट्री फिल्म

जमशेदपुर, एजेंसी। रक्तदान को अपना मिशन बनाने वाले ट्राइबल ब्लड मैन के नाम से चर्चित सरजामदा निवासी राजेश मार्डी पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनने जा रही है। इसकी शूटिंग 10 अक्तूबर से गम्हरिया प्रखंड के सालमपाथर गांव में होगी। गोमहेड उमूल प्रोडक्शन के बैनर तले किरण माझी के निर्देशन में यह डॉक्यूमेंट्री बनेगी। इसके निर्माता सुशील मुर्मू हैं व सहायक निर्माता बापीराज हांसदा हैं। यह डॉक्यूमेंट्री फिल्म करीब 15 मिनट की होगी। वह अब तक 79वीं बार रक्तदान कर चुके हैं। इस फिल्म को बनाने का मुख्य मकसद समाज के लोगों को यह बताना है कि यदि कोई व्यक्ति मजबूत इरादे के साथ आगे बढ़े तो विकट परिस्थिति में भी लोगों की सेवा का जुनून कभी कम नहीं हो सकता है। साथ ही आदिवासी समाज के लोगों को रक्तदान के प्रति प्रोत्साहित करना है।

घरों में नंबर प्लेट लगाने पहुंचे दो कर्मियों को ग्रामीणों ने घेरा

धनबाद, एजेंसी। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के जयनगर गांव में बुधवार को नंबर प्लेट लगाने पहुंचे एक स्वयंसेवी संस्था के दो कर्मी बिनोद कुमार वर्मा तांतरी-तोपचांची व राकेश मेहता चंद्रवारा-कोडरमा को ग्रामीणों ने घेरकर घंटों बैठाये रखा। सूचना मिलने पर बरवाअड्डा पुलिस पहुंची और दोनों को थाना ले आयी। स्वयंसेवी संस्था भारतीय जन कल्याण फाउंडेशन के कर्मी बिनोद कुमार वर्मा व राकेश वर्मा जयनगर गांव में लोगों के मकान में नंबर प्लेट लगाने पहुंचे थे। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों कर्मी सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने, घर में नंबर प्लेट लगाने, आधार कार्ड में नाम सुधार करने व राशन कार्ड में नाम जोड़ने के नाम पर हर घर से 50 रुपये ले रहे थे। इसकी रसीद भी दे रहे थे। पुलिस के पहुंचने पर ग्रामीण हंगामा करते हुए रुपये लौटाने की मांग करने लगे। इस पर दोनों कर्मियों ने रुपये उन्हें लौटा दिये। इस पर ग्रामीण शांत हुए और उन्हें छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस दोनों को पूछताछ के लिए थाना ले गयी। शाम को पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ा गया। पकड़ गये दोनों कर्मियों ने पुलिस व ग्रामीणों को गोविंदपुर बीडीओ का एक पत्र दिखाया। इसमें लिखा था कि योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए व बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नारा लिखा मकान नंबर लगा सकते हैं। इसके एवज में ग्रामीणों से 50 रुपये ले सकते हैं। थाना प्रभारी रजनीकांत ने बताया कि जांच में पत्र सही पाये जाने पर दोनों कर्मी को छोड़ दिया गया।

गोधर में चचरे भाई ने महिला को मारी गोली

धनबाद, एजेंसी। केंदुआडीह थाना क्षेत्र की गोधर काली बस्ती में मंगलवार रात लगभग 10 बजे 20 वर्षीय संगीता कुमारी को उसके चचेरे भाई दीनदयाल कुमार ने गोली मार दी। संगीता को दाहिने जांघ में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। केंदुआडीह थाना क्षेत्र घटित इस घटना के बाद क्षेत्र में बाद परिजन घायल संगीता को गंभीर हालत में शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) धनबाद ले गए। जहां उसकी स्थिति स्थिर बतायी जाती है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर दिया गया है। महिला के पति साजन कुमार और जेठ राहुल कुमार ने आरोप लगाया है कि गोली संगीता के चचेरे भाई दीनदयाल ने मारी है। राहुल कुमार ने बताया कि संगीता का चचेरा भाई और उसका परिवार एक ही जगह रहता है। घटना के समय दोनों परिवारों की महिलाएं आपस में झगड़ रही थीं। बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों के बीच जमीन को लेकर पुरानी रंजिश चल रही है। बुधवार की रात भी महिलाओं के बीच कहासुनी बढ़ गई, जिसके बाद दोनों परिवारों के पुरुष भी शामिल हो गए। दीनदयाल ने संगीता के पति साजन पर पिस्तौल तान दी। यह देखकर संगीता ने पति को बचाने के लिए पीछे से पकड़ ली। तभी दीनदयाल ने फायरिंग कर दी। गोली संगीता के दाहिने जांघ में लग गई और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की।

एंबुलेंस नहीं मिली तो पति ने पत्नी को कंधे पर उठाया, हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम के धालभूमगढ़ में एंबुलेंस नहीं मिलने पर एक सबर व्यक्ति द्वारा अपनी बीमार पत्नी को कंधे पर लादकर घर ले जाने की मार्मिक घटना पर झारखंड हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है।

अखबारों में छपी खबरों पर अदालत ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है और विस्तृत रिपोर्ट के साथ हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी।

यह हृदयविदारक मामला धालभूमगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का है। गुड़ाबांधा के मुड़ाठाकुरा गांव के रहने वाले गुरा सबर अपनी पत्नी शुकुलमनी सबर को गंभीर हालत में इलाज के लिए लाए थे। शुकुलमनी का हीमोग्लोबिन काफी कम था और उन्हें बुखार के साथ थूक में खून आने की शिकायत थी।

शनिवार को डाक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया। आरोप है कि रेफर करने के बाद दंपति को न तो 108 एंबुलेंस मिली और न ही अस्पताल ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था की। जब कोई रास्ता नहीं सूझा तो बेबस पति गुरा अपनी पत्नी को कंधे पर उठाकर ही पैदल अपने गांव की ओर चल पड़ा।

एक हाथ से पत्नी को और दूसरे हाथ से थैला संभाले गुरा सबर जब सड़क पर चल रहा था, तो उसकी इस बेबसी को देखकर हर कोई हैरान था। रास्ते में एक मोबाइल दुकानदार की नजर उन पर पड़ी, जिसने मानवता दिखाते हुए एक ऑटो की व्यवस्था कर दंपति को धालभूमगढ़ चौक तक पहुंचाया।

मामला मीडिया में आने के बाद जब स्वास्थ्य अधिकारियों तक बात पहुंची तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में एक एंबुलेंस भेजकर दंपति को चौक से वापस अस्पताल लाया गया। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का दावा है कि दंपति ने एमजीएम जमशेदपुर जाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस से उनके घर भेज दिया गया। अधिकारियों का यह भी तर्क है कि दंपति ने एंबुलेंस का इंतजार किए बिना ही अस्पताल छोड़ दिया था।

मौत से पूर्व रॉनी ने एक युवती को व्हाट्सएप पर मैसेज कर लिखा-चलो दोस्त बाय अलविदा, खुश रहो

जमशेदपुर, एजेंसी। बिरसानगर जोन नंबर-1बी सिल्वर टावर निवासी व खड़ंगाझार के मोबाइल दुकानदार सोमनाथ मन्ना उर्फ रॉनी का शव मंगलवार की देर रात छोटाबांकी में एक मैदान किनारे मिला। शव पूरी तरह नग्न हालत में था। शव से कुछ दूरी पर रॉनी का पैंट व टी-शर्ट रखा हुआ था। शव की हालत देख परिजन हैरान हैं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मृतक के कपड़े से उसका मोबाइल और सल्फास की तीन गोली बरामद की है। वहीं, शव से कुछ दूरी पर रॉनी की स्कूटी भी खड़ी थी। मृतक के शव के पास मिले मोबाइल की जांच करने पर पुलिस ने पाया कि मंगलवार की दोपहर करीब 3:30 बजे रॉनी ने एक युवती को व्हाट्सएप पर मैसेज किया है। जिसमें उसने लिखा है- चलो दोस्त बाय अलविदा, खुश रहो। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। मृतक के परिचित व भाजपा नेता रतन महतो ने बताया कि रॉनी का एक बच्चा है। उसने प्रेम विवाह किया था। वह अपने माता-पिता से अलग बिरसानगर सिल्वर टावर में रहता था।

परिजनों ने बताया कि रॉनी मंगलवार की दोपहर करीब 2:30 बजे स्कूटी लेकर निकला था। उसके बाद वापस नहीं लौटा। उसका मोबाइल चालू था, लेकिन वह किसी का फोन उठा नहीं कर रहा था। देर शाम तक जब रॉनी नहीं लौटा, तो घरवालों ने तलाश शुरू की। इसके अलावा रॉनी की दुकान में काम करने वाले कर्मचारी भी उनकी तलाश में निकले। गूगल मैप के जरिये देर रात परिजन छोटाबांकी मैदान पहुंचे, जहां रॉनी का शव नग्न हालत में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने घटना को लेकर रॉनी की पत्नी ममता मन्ना व परिवारवालों से भी पूछताछ की। पुलिस के अनुसार रॉनी पिछले कुछ दिनों से बीमार था। इसके अलावा उसकी एक युवती से अक्सर बातचीत होती थी। जिसके कारण पत्नी से विवाद होता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पोस्टमार्टम होने के बाद परिजन ने भुइयांडीह सुवर्णरेखा बर्निंग घाट में उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

गुवा डाकघर घोटाला: झारखंड में पूर्व उप डाकपाल ने 50 लाख रुपये की फर्जी निकासी कर जुए में उड़ाए, गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा डाकघर में बड़ा वित्तीय घोटाला उजागर हुआ है। डाक विभाग के पूर्व उप डाकपाल विकास चंद्र कुलिला (46) को पुलिस ने करीब 50 लाख रुपये की फर्जी निकासी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपी ने डाकघर की बचत योजनाओं में जमा खाताधारकों की राशि का दुरुपयोग करते हुए भारी रकम निकाल ली और उसे ऑनलाइन व स्थानीय जुए में गंवा दिया।

पुलिस जांच के अनुसार यह फर्जीवाड़ा 1 फरवरी 2023 से 19 जून 2025 के बीच हुआ, जिसमें आरोपी ने कुल 50,56,473 रुपये की गबन की। मामले का खुलासा तब हुआ जब कई खाताधारकों ने अपने खातों से रकम गायब होने की शिकायत की। डाक निरीक्षक सुमन कुमार सांमता की लिखित शिकायत पर गुवा थाना में कांड संख्या 34/2025 दर्ज की गई। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने यह रकम ऑनलाइन जुए के प्लेटफॉर्म डेल्टा एक्सचेंज और धूम 999 कैसीनो पर हार दी। इसके अलावा, वह स्थानीय जुआ अड्डों में भी नियमित रूप से बड़ी रकम लगाता था।

पुलिस ने आरोपी के एसबीआई और डाकघर खातों की जांच में असामान्य व भारी लेनदेन के प्रमाण पाए हैं। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी के निर्देश पर किरीबुरू के एसडीपीओ अजय केरकेट्टा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने आरोपी के टुंगरी स्थित आवास पर छापेमारी कर उसे उसकी पत्नी और दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में गिरफ्तार किया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि फर्जी निकासी की इस पूरी साजिश में क्या अन्य कर्मचारी भी शामिल थे। मामले ने डाक विभाग की सुरक्षा व्यवस्था, वित्तीय पारदर्शिता और ऑडिट प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, विभागीय स्तर पर आरोपी के खिलाफ निलंबन और बकाया राशि की वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गिरिडीह में सिक्योरिटी गार्ड पर फायरिंग, पीछा कर बाइक सवारों ने चलाई गोली

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बरहमोरिया स्थित एएनएम होस्टल के पास मंगलवार देर शाम एक निजी सुरक्षा गार्ड पर बाइक सवार तीन अज्ञात युवकों ने गोली चला दी। गोली गार्ड की गर्दन को छूते हुए निकल गई, जिससे वह बाल-बाल बच गया। घायल की पहचान कोरबेड़ा निवासी 35 वर्षीय दशरथ टुडू के रूप में हुई है, जो बरगंडा की एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत है।

पीछा कर बाइक सवारों ने चलाई गोली : जानकारी के अनुसार, दशरथ ड्यूटी समाप्त कर अपनी बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह एएनएम कॉलेज के समीप पहुंचा, पीछे से एक बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसका पीछा किया और उस पर गोली चला दी। गोली उसकी बाईं गर्दन को छूते हुए निकल गई। घायल दशरथ सड़क पर गिर पड़ा, जबकि हमलावर मौके से फरार हो गए।

मुखिया ने दिखाई तत्परता, अस्पताल में कराया भर्ती : घायल दशरथ को सड़क पर गिरा देख बरहमोरिया पंचायत के मुखिया मुन्नालाल ने तुरंत ग्रामीणों की मदद से उसे गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार और एक्स-रे जांच की, जिसमें शरीर में गोली नहीं मिली। हालत स्थिर रहने के बावजूद बेहतर इलाज के लिए उसे धनबाद रेफर कर दिया गया। मुखिया मुन्नालाल ने बताया कि दशरथ की पत्नी पारा टीचर हैं और यह परिवार इलाके में शांत स्वभाव के लिए जाना जाता है।

पुलिस की कार्रवाई और जांच तेज : घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छापेमारी शुरू की। वहीं, एसडीपीओ जीतवाहन उरांव ने गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचकर घायल से पूछताछ की और मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि घटना की गहन जांच की जा रही है और हमलावरों की जल्द पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। फिलहाल पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

इलाके में फैली दहशत : गोलीबारी की इस घटना से बरहमोरिया और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। लोगों ने बताया कि उन्होंने गोली चलने की आवाज सुनी थी, जिसके बाद अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जांच में सहयोग करें।

गुमला सदर अस्पताल में 5 घंटे तक नहीं मिली एंबुलेंस:महिला की तड़प-तड़पकर मौत

गुमला, एजेंसी। गुमला सदर अस्पताल में बुधवार सुबह 108 एंबुलेंस के इंतजार में एक महिला की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। महिला को दुर्घटना के बाद गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था, जहां से उसे रिम्स रेफर किया गया। परिजनों ने लगभग 5 घंटे तक एंबुलेंस के लिए इंतजार किया, लेकिन वह उपलब्ध नहीं हो पाई।

जानकारी के अनुसार, चैनपुर थाना क्षेत्र के टिन टांगर निवासी विनय रौतिया अपनी पत्नी कलावती देवी और डेढ़ वर्षीय बेटी वर्षा कुमारी के साथ मंगलवार को इंद मेला देखने केमटे गांव गए थे। बुधवार तड़के 4 बजे तीनों बाइक से अपने गांव लौट रहे थे, तभी कांसीर के पास पीछे से एक मारुति वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

सड़क हादसे में दंपती हुआ था घायल: इस दुर्घटना में विनय और कलावती गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बच्ची को हल्की चोटें आईं। वैन चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन टक्कर में वैन का नंबर प्लेट सड़क पर गिर गया, जिसे रायडीह पुलिस ने जब्त कर लिया है। इधर, स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को बुधवार सुबह 5 बजे गुमला सदर अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद कलावती देवी और विनय रौतिया की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया।

एंबुलेंस पहुंचने का आश्वासन मिलता रहा : इसके बाद परिजनों ने सुबह 5 बजे से लगातार 108 कॉल सेंटर पर फोन कर एंबुलेंस भेजने की गुहार लगाई। उन्हें बार-बार 15 मिनट, आधे घंटे या एक घंटे में एंबुलेंस पहुंचने का आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन एंबुलेंस नहीं आई। अंततः सुबह 10 बजे कलावती देवी ने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया।

मृतक की भतीजी कशिश कुमारी और कल्याण कुमारी ने बताया कि यदि समय पर एंबुलेंस मिल जाती तो कलावती देवी की जान बच सकती थी। इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। परिजनों को सदर अस्पताल में स्थित कॉल सेंटर की जानकारी नहीं थी और वे केवल 108 एंबुलेंस के भरोसे रहे।

वहीं, सदर अस्पताल के सिविल सर्जन शंभू नाथ चौधरी से बताया कि घटना की जानकारी मीडिया के माध्यम से हुई है। महिला की मौत के बाद एक एंबुलेंस पहुंचा लेकिन विनय रौतिया रिम्स जाने के लिए तैयार नहीं हुआ। उसने कहा की पत्नी की मौत हो चुकी है अब मैं यही इलाज कराऊंगा।

आनंद मंगल महिला समिति का दो दिवसीय दीपोत्सव मेला शुरू

धनबाद, एजेंसी। आनंद मंगल महिला समिति द्वारा धनसार में लगाये गये दीपोत्सव मेला का शुभारंभ समिति सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। गणपति देव की आराधना व गायत्री मंत्रोच्चारण किया गया। मेला में डिजायनर दीये, वंदनवार, भगवान के पोशाक, मोतियों की माला, जयपुर के ट्रेडिशनल ज्वेलरी, डिजायनर सूटस, साड़ियां। फैशनेबल कुर्तीज, होम डेकोरेटिव आइटम, गिफ्ट आइटम उपलब्ध है। स्टॉल में लगे ड्रेस खूब पसंद किये जा रहे हैं। मेला गुरुवार को भी जारी रहेगा। ट्रेजर हंट मेला में आने वालों को आकर्षित कर रहा है। हर दो घंटे पर लकी ड्रा निकाल कर उपहार दिये जा रहे हैं।

मेला में 75 स्टॉल लगाये गये हैं। सैफरॉन ग्रुप द्वारा पर्यावरण को स्वच्छ रखने की अपील पेपर बैगस द्वारा दी जा रही है। ग्रुप द्वारा पोली बैग का बहिष्कार पेपर बैग से प्यार का संदेश दिया जा रहा है। श्री लक्ष्मी बुटिक की पिंकी सिंह के स्टॉल पर वैरायटी ऑफ साड़िज हैं। पशमीना, बनारसी, कांजीवरम साड़ी के साथ फैशनेबल कुर्ती, बेडशीट हैं। एकल महिला समिति द्वारा जैविक उत्पाद के स्टॉल लगाये गये हैं। हल्दी पावडर, गोबर के दीये, गौमूत्र से तैयार फिनीयल, कोल्हू में तैयार सरसों तेल के साथ कई उत्पाद हैं। इसके अलावा रंगोली, दीये, और इंपोर्टेड पर्स, झूमके, इयर रिंग , गिफ्ट आइटम रखे हैं। मेला में धनबाद, झरिया, पटना, कोलकाता, रांची, दिल्ली, जयपुर, मुजफ्फरपुर के स्टॉल लगे हैं।

समिति की अध्यक्ष संगीता अग्रवाल ने बताया समिति 35 सालों से संचालित है। समिति द्वारा 19 सालों से दीपोत्सव मेला लगाया जा रहा है। इससे होनेवाली आय समिति द्वारा बारामुड़ी में संचालित निर्धन बच्चे के स्कूल पर खर्च किये जाते हैं।

एमजीएम अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाने का काम शुरू

जमशेदपुर, एजेंसी। एमजीएम अस्पताल में मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग के पीछे ऑक्सीजन प्लांट लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। इस संबंध में अस्पताल के अधीक्षक डॉ आरके मंधान ने कहा कि ऑक्सीजन प्लांट लगाने की जगह का चयन कर लिया गया है। उस स्थान पर पेड़ है, उसको काटने के लिए वन विभाग से अनुमति मिल गयी है। पेड़ों को काटा जा रहा है। जगह खाली होने के साथ ही पुराने अस्पताल से नये अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट को शिफ्ट कर दिया जायेगा। वर्तमान में ऑक्सीजन सिलेंडर से ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में 1800 लीटर की लिक्विड ऑक्सीजन की टंकी लगायी जा रही है।

अधीक्षक डॉ आरके मंधान ने बताया कि अस्पताल की सफाई के लिए एक चेक लिस्ट बनायी जा रही है। जिसमें अस्पताल के शौचालय की सफाई कब-कब हो रही है, इसकी जानकारी रहेगी। उन्होंने कहा कि पूरे अस्पताल में बने सभी शौचालय की दिन में दो बार व रात में एक बार सफाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सफाई कार्यों की सही से मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण परेशानी हो रही है। इसकी निगरानी के लिए एक टीम का गठन किया जायेगा।

शहीदों के बच्चों के लिए रांची में खुलेगा आवासीय स्कूल: सीएम

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को सीएम हाउस में पलामू पुलिस के शहीद आरक्षी सुनील कुमार राम और संतन कुमार मेहता के परिजनों से मुलाकात की। उन्हें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पुलिस सैलरी पैकेज के तहत 1.10-1.10 करोड़ रुपए का चेक सौंपा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीद जवानों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए रांची में अलग से एक आवासीय विद्यालय बनाएगी। यह विद्यालय निजी विद्यालयों की तर्ज पर संचालित किए जाएंगे, जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। विद्यालय निर्माण के लिए झारखंड जगुआर में चार एकड़ जमीन चिह्नित कर ली गई है। यह विद्यालय पुलिस विभाग द्वारा चलाया जाएगा। राज्य सरकार हमारे पुलिस विभाग के जवानों एवं कर्मचारियों के लिए एक अस्पताल बनाने पर भी विचार कर रही है जल्द एक बेहतर कार्य योजना बनाकर अस्पताल निर्माण कार्य को मूर्त रूप दिया जाएगा।

परिजनों से कहा-हिम्मत व धैर्य के साथ मजबूत होकर परिवार को आगे बढ़ाते रहें : मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों से कहा कि- सरकार का प्रयास है कि आप शहीद परिवार के सदस्यों का मनोबल बढ़ा रहे। हमारी सरकार आपलोगों के दुःख-दर्द को गहराई से महसूस करती है। हमारी सरकार शहीदों के सम्मान में उनके परिजनों को हरसंभव मदद करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें। हिम्मत और धैर्य के साथ मजबूत होकर परिवार को आगे बढ़ाते रहें, चुनौतियों से घबराएं नहीं। जब आपको जरूरत हो, आप पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारियों से निःसंकोच भेंट करें, आपकी पीड़ा को कम करने का प्रयास किया जाएगा। सीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहीद के परिजनों को मिलना वाला लाभ तत्काल उपलब्ध कराएं। शहीद के परिजनों को मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ उन्हें शीघ्र प्रदान किए जाए। इस पर अधिकारियों ने कहा कि दोनों शहीदों की पत्नी स्नातक पास हैं। पुलिस विभाग के नियम के अनुसार दोनों को क्लर्क की नौकरी दी जाएगी। पुलिस विभाग द्वारा उग्रवादी कांड में शहीद हुए पुलिस कर्मियों के लिए तय की गई राशि को मिलाकर अनुमानित राशि 2 करोड़ रुपए दोनों शहीद परिवारों को उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिजनों को पेंशन सहित अन्य सेवांत लाभों से जोड़ें। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि पेंशन राशि सहित अन्य लाभ दिए जाने संबंधित सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।